भ्रमण आख्या–जनपद कौशाम्बी

भ्रमणकर्ता अधिकारी का नामः

1. डा0 विकास सिघल महाप्रबंधक आर.आई0।
2. अरविंद उपाध्याय, तकनीकि परामर्शदाता, परिवार नियोजन।
3. कौशल सिंह बिष्ट, डिव0 पी0एम0, (एम0एण्डई0)।
4. परमहंस कुशवाहा पी.सी. आर.बी.एस.के.

भ्रमण की तिथिः दिनांक 09 से 13 अक्टूबर 2017

टीम द्वारा जनपद में आवंटित तीन ब्लाकों मंझनपुर, चायल एवं कौशाम्बी (कनेली) का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान पाये गये महत्वपूर्ण बिन्दुओं का वर्णन इकाईवार निम्नानुसार है।

दिनांक 19 से 22 सितम्बर 2017	दिनांक 09 से 13 अक्टूबर 2017 के अवलोकन बिन्दु
कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी	
कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी का नवीन भवन तैयार हो चुका है किन्तु बाउण्ड्रीवाल न होने की वजह से कार्यालय स्थानांतरित नही किया गया है।	स्थानान्तरित का कार्य प्रकियाधीन है।
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण एवं आर0बी0एस0के0 के अंतगर्त लिये गये वाहनों का टेण्डर पॉच वर्ष पूर्व किये गये थे। तत्पश्चात प्रत्येक वर्ष बिना टेण्डर के पुर्नअनुबंध किया जा रहा है।	राज्य स्तर पर दिये गये निर्देशों के बावजूद आज तक ईटेण्डर की प्रकिया पूर्ण नहीं की गयी है।
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत जनपद मुख्यालय पर दो वाहनों का विगत पॉच वर्षो से पुर्नअनुबंध किया गया हैं। एक वाहन संख्या UP32 DN 5825 का उपयोग मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी द्वारा किया जा रहा है। यह वाहन सहयोगात्मक वर्यवेक्षण में किसी भी अन्य अधिकारी को नही दिया जाता है। दूसरा वाहन UP70 ET 1796 के संबंध में लेखा लिपिक द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त वाहन तत्कालीन जिलाधिकारी, कौशाम्बी द्वारा लिया गया हैं। जनपद स्तर पर एन0एच0एम0 द्वारा उक्त दो वाहनों से कोई भी सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नही किया जा रहा है।	यथस्थिति
वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी श्रीमती विभा द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 में मात्र दो दिन दिनॉक 17 सितम्बर एवं 19 सितम्बर 2017 को स्वास्थ्य इकाईयों को फण्ड ट्रांसफर कराया गया। लेखा लिपिक द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त अधिकारी अधिकांश अनुपस्थित रहती है। इस कारण जनपद से फण्ड ट्रांसफर, वेतन भुगतान लंबित रहता हैं।	यथस्थिति
जनपद स्तर से भुगतान हेतु पत्रावली लेखा लिपिक द्वारा न बनाये जाने से भुगतान लंबित होते हैं।	यथस्थिति
मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का पुराना सामान, कबाड़, पुराने वाहन अत्यधिक खराब हालात में पडे हुए पाये गये।	डिस्पोजल करने की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।
जनपद स्तर पर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण चेकलिस्टें देखने को नही मिली और न ही पोर्टल पर अपलोड की गई है।	यथस्थिति
जनपद मुख्यालय स्तर पर तीन स्टोर बनाये गये है जहॉ अव्यवस्थित तरीके से उपकरणों एवं दवाओं को रखा पाया गया।	नये निर्मित स्टोर में स्थानान्तरित कराया जा रहा है।

अन्य बिन्दु–	जिले स्तर पर परिवार नियोजन कार्यकम अन्तर्गत डी.क्यू.ए.सी. एवं डी.आई.एस.सी. का गठन के संबंधित कार्यवाही रजिस्टर एवं बैठक कार्यवृत्त के दस्तावेज नहीं पाये गये। जनपद में उपलब्ध सेवा प्रदाताओं के इम्पैनलमेन्ट से सबंधित दस्तावेज नही पाये गये।
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर	
कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, मंझनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में संचालित है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के समस्त अधिकारी/दवा भण्डार आदि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर के प्रांगण में स्थापित हैं।	नये भवन में स्थानान्तरित करने की प्रकिया शुरू कर दी गयी है।
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर में प्रसव सेवा उपलब्ध नही है। प्रसव इकाई को जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में स्थापित एम0सी0एच0 विंग में 6 बेड स्थापित कराकर कराया जा रहा है। अतः जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में प्रसव दो स्वास्थ्य इकाईयों यथा डी0सी0एच0 एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर पर संपादित कराया जा रहा है।	यथस्थिति
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर के ऑपरेशन थियेटर में मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी के बैठने का कक्ष स्थापित है। अतः महिला नसबन्दी और पुरूष नसबंदी जिला संयुक्त चिकित्सालय में कराई जाती है और भुगतान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर से किया जाता है।	यथस्थिति
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुख्य भवन में चिकित्सकों हेतु मात्र एक कक्ष आवंटित किया गया था। अन्य कक्षों में स्टोंर, लिपिक कार्यालय, बी0पी0एम0यू0 स्थापित किया गया था। अन्य कक्षों में जनपद के भण्डार बनाये गये पाये गये।	सभी चिकित्सा अधिकारियों एव बी.पी.एम.यू. को बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करा दी गयी है।
आर0बी0एस0के0 वाहनों हेतु जनपद स्तर पर स्पष्ट निर्देश न दिये जाने के कारण टीम को बच्चों के 4 डी0 हेतु इलाज की आवश्यक्ता होने पर मेडिकल कालेज के लिए नहीं भेजी जाती।	मोबाइल हेल्थ टीम माइक्रोप्लन के अनुसार विजिट नहीं कर रही है। टीम के पास आर.बी.एस.के कार्ड, लैपटॉप, संबंधित उपकरण नहीं है और न ही दवा है। टीम द्वारा सी.आर.एम. के परिपेक्ष्य में दिये गये संबंधित कार्य नही किये जा रहे है। टीम की ड्यूटी आर.बी.एस.के. के अलावा अन्य कार्यकम में लगाये जाने के कारण लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि कम है।
आर0बी0एस0के0 टीम के द्वारा रिकार्ड मेण्टेन उचित तरीके से नही किया जा रहा था।	
गाड़ियों की लॉग–बुक मानकानुसार मेण्टेन नही की जा रही हैं। लागबुक में मीटर रीडिंग के स्थान पर कि0मी0 लिखा जा रहा है।	
ब्लाक मंझनपुर पर उपलब्ध कराई गई वाहन यूपी0 70 AT 1796 गाड़ी का सत्यापन किया गया किन्तु समस्त चेकलिस्ट पुराने फार्मेट पर भरी गई है।	
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मझनपुर में प्रत्येक कक्ष में सफाई का अभाव पाया गया। जनपदीय अधिकारियों के कक्ष भी गन्दे पाये गये। मुख्य चिकित्साधिकारी के कक्ष के टायलेट में मधुमक्खी का छत्ता पाया गया जिसे तुरन्त ही साफ कराया गया। टायलेट अत्यधिक गंदे पाये गयें। परिसर में घास बडी बडी उगी हुई पाई गई। परिसर में पानी निकासी का उचित प्रबंध नही पाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंझनपुर के प्रवेश द्वार पर गढढे की वजह से जलभराव पाया गया।	साफ सफाई की व्यवस्था कर दी गयी है। गढढे मे मिट्टी भरवा दिया गया है।
मंझनपुर पी0एच0सी0 में आपरेशन थियेटर की सुविधा न होने से जिला अस्पताल में नसबन्दी की जाती है, परन्तु नसबन्दी की रिर्पोट एचएमआईएस पोर्टल पर जिला अस्पताल एवं पी0एच0सी0 मंझनपुर दोनों ही चिकित्सालयों द्वारा अपडेट किया जाता है।	दिनांक 19 से 22 सितम्बर 2017 के भ्रमण के दौरान दिये गये सुझावों के क्रम में कोई सुधार नही हुआ है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय मुख्य भवन में स्थापित होने की प्रक्रिया चल रही है।

एल0आर0 में कुत्ते काटे के इंजेक्शन एवं एच0आई0वी0 टेस्टिंग किट ठूस ठूस कर भरी गई थी। ट्रे निकालकर बाहर अलमारी के ऊपर रक्खी गई थी।	एल.आर. में रखे इन्जेक्शन एवं अन्य सामग्रियों को व्यवस्थित ढंग से रख दिया।
प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं अन्य स्टाफ के बीच सामंजस्य का अभाव पाया गया। बी0पी0एम0यू0 के कर्मी अत्यधिक कर्मठ हैं किन्तु उनके बीच कार्यो का स्पष्ट विभाजन न होने एवं सुविधाओं को न दिये जाने के कारण डिमोटिवेट पाये गये।	संबंधों में सुधार पाया गया। संमस्त अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा था।
ऑपरेशन थियेटर में सुधार का कार्य चल रहा था। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कय कार्य प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा स्वयं किया जाता है। बिल वाउचरों की स्थिति अच्छी नही पाई गई। रिकार्ड मेण्टेन नही पाया गया।	सुधार कार्य पूर्ण कर लिया गया ।
एच0एम0आई0एस0 मासिक रिपोर्ट प्रपत्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उपकेन्द्र की वैलिडेशन कमेटी से हस्ताक्षरित रिपोर्ट नही पाई गई। एच0एम0आई0एस0 फार्मेट एवं आर0सी0एच0 रजिस्टर उपलब्ध नही था।	यथास्थिति
सभी कम्प्यूटरों में रजिस्टर्ड एण्टी वायरस उपलब्ध नही था। डैश बोर्ड नही था। स्वास्थ्य केन्द्र पर दो कम्प्यूटर उपलब्ध थे जिसमें से एक प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अपने कक्ष में स्थापित करने से कार्य नही हो पा रहा था।	यथास्थिति
डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	यथास्थिति
आर.बी.एस.के.–	माईक्रोप्लान सहीं नहीं बना हुआ था, सही फार्मेट पर बनाने हेतु सुझाव दिया गया है। टीम के पास आर.बी.एस.के कार्ड, लैपटॉप, संबंधित उपकरण नहीं है और न ही दवा है। टीम की ड्यूटी आर.बी.एस.के. के अलावा अन्य कार्यक्रम में लगाये जाने के कारण लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि कम है।
नियमित टीकाकरण–	कोल्डचेन कक्ष में 1 बड़ा डीफ्रीजर, 2 छोटा डीफ्रीजर, 1 आई. एल.आर स्थापित था, डीफ्रीजर के अन्दर पोलियो वैक्सीन रखी गयी थी जो मानकानुसार गलत है। ब्लाक स्तर पर सभी वैकसीन आई.एल.आर. में रखी जानी है। जानकारी करने पर पता चला कि एक आई.एल.आर फार्मासिस्ट के कक्ष में रखा गया था जिसे तत्काल सही जगह रखवाया गया। बी.सी.जी. की मात्र 28 वायल ही उपलब्ध थी जब प्रतिदिन लगभग 24 सत्र नियोजित थे। कोल्डचेन उपकरणों के लिए अलग–अलग स्टेपलाइजर उपलब्ध नहीं थे।
उपकेन्द्र– कसेन्दा, चायल।	
उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 सावित्री श्रीवास्तव द्वारा एक प्राईवेट दाई को रक्खा गया था।	यथास्थिति
शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई। शौचालय का आउटलेट मिटटी से भरा हुआ पाया गया।	यथास्थिति
बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु	यथास्थिति

निर्देशित किया गया।	
उपकेन्द्र पर कबाड पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 चायल को निर्देशित किया गया।	यथास्थिति
डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। वार्ड में विधुत आपूर्ति 24 घण्टे जारी रखने हेतु निर्देशित किया गया।	यथास्थिति
उपकेन्द्र– सल्लाहपुर, चायल।	
ए0एन0एम0 निर्मला एवं आशा गुप्ता द्वारा प्रसव कराया जा रहा था। इस केन्द्र पर एक स्टाफ नर्स अंशिका कुमारी भी तैनात की गई हैं। अब तक इस वर्ष 700 प्रसव कराये जा चुके है। मुख्य द्वार पर बोर्ड नही लगा था।	यथास्थिति
समरर्सिबल मशीन एवं पानी की टंकी की आवश्यकता है। बिजली का कनेक्शन नही लिया गया है। उचित प्रबन्ध नहीं है। गैरकानूनी तरीके से कटिये के द्वारा बिजली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रभारी चिकित्साधिकारी, चायल एवं कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, कौशाम्बी द्वारा बिजली कनेक्शन के लिए पहल कभी नही की गई।	यथास्थिति
शौचालय के सोकपिट एवं बायो मेडिकल वेस्ट के लिए गडढे नहीं है। प्लेसेन्टा निस्तारित करने की कोई भी उचित व्यवस्था नहीं है। खुले में प्लेसेंटा फेंका जाता है। सीवर की समस्या से उपकेन्द्र पर जल भराव एवं बदबू की भरमार है।	यथास्थिति
उपकेन्द्र के टायलेट धंस गये है। जिनमें गंदगी हमेशा बनी रहती है। शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय है, जिसमें दरवाजे एवं फर्श पूरी तरह से टूटा हुआ है।	यथास्थिति
प्रसव कक्ष में टाइल्स नहीं लगा हुआ है तथा कमरे के दो दरवाजे भी टूटे हुये हैं जिसे बदलने की आवश्यकता है।	यथास्थिति
खडण्जा एवं शौचालय हेतु मौके से ही ग्राम प्रधान से आग्रह किया गया है।	यथास्थिति
डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	यथास्थिति
प्रसव कक्ष एवं जे0एस0वाई वार्ड के बीच खुली छत को ढकने हेतु टीन शेड लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	यथास्थिति
बेबी वार्मर मशीन खराब पडी हुई थी। दवाईयों में पी0सी0एम0, डिक्लोंफिनेक, आक्सीटोसिन, विटामिन के0, सिरिंजेस तक उपलब्ध नही थी। ग्लब्ज का अभाव था। जननी सुरक्षा योजना फार्म पुराना उपयोग किया जा रहा था। केन्द्र पर ब्लीलिचिंग एवं फिनायल का अभाव पाया गया। अधिकांश फर्निचर, बेड जंग लगी हुई थी।	यथास्थिति
राजकीय महिला चिकित्सालय एवं नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चरवा, चायल।	
एडिशनल पी0एच0सी0 एवं राजकीय महिला चिकित्सालय नाम से दो केन्द्र संचालित हो रहे हैं परन्तु एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर दोनों केन्द्रों की उपलब्धि एडिशनल पी0एच0सी0 में ही दर्शायी जा रही है। चिकित्सालय में अब तक 399 प्रसव कराये जा चुके है। प्रसव कक्ष में सेवायें मानकानुसार नही दी जा रही थी। शौचालय बदबू युक्त था। नियमित सेवा की दाई द्वारा सफाई का कार्य नही किया जा रहा था। चिकित्सालय में परदे नही थे। परदे फार्मासिस्ट द्वारा अपनी अलमारी में रक्खे हुए थे। नवजात शिशुओं को	कमियों को दूर कराने का कार्य प्रगति पर था।

रुप करने हेतु जनपद से दिये गये तौलियों को फार्मासिस्ट द्वारा अपनी अलमारी में रक्खा हुआ था। किसी भी नवजात को तौलिया नही दिया गया था। संज्ञान में लाया गया कि स्टाफ नर्स विधा विश्वकर्मा द्वारा अपने डयूटी टाईम में प्राईवेट दाई की सेवायें ली जा रही है।	
डयूटी स्टाफ नर्स को दवाइयॉ एवं प्रसव सम्बन्धी सामग्री उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। डयूटी स्टाफ नर्स के पास आवश्यक सामग्री को रखने हेतु कोई अलमारी उपलब्ध नही थी। संज्ञान में आया है कि एक स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट द्वारा दूसरी स्टाफ नर्स के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	दवायें उपलब्धता करा दी गयी है।
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कनैली।	
चिकित्सालय में हौम्योपैथी एवं युनानी चिकित्सक द्वारा अंग्रेजी दवाईयॉ मरीजों को लिखी जा रही थी। आर्युवेद की दवायें चिकित्सालय में उपलब्ध थी।	कमियों को दूर कराने का कार्य प्रगति पर था।
चिकित्सालय परिसर को साफ सुथरा किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। टायलेट भूतल पर गन्दे पाये गये। बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये गये। चिकित्सालय आई0ओ0एल0 सेण्टर होने के बावजूद फंकशनल माईक्रोस्कोप एवं ट्रायल बाक्स नया उपलब्ध नही था। नेत्र चिकित्सक डा0 ए0के0 आर्या द्वारा उक्त सामग्री की व्यवस्था किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।	कमियों को दूर कराने का कार्य प्रगति पर था।
दो माह से नर्स मेण्टर (टी0एस0यू0) छुट्टी पर है। चिकित्सालय में डयूटी स्टाफ नर्स ने बताया कि बिना प्रशिक्षण के दो एच0आई0वी0 पाजीटिव प्रसूता महिला का प्रसव कराया गया। एच0आई0वी0 संक्रमण से बचाव की सामग्री स्टाफ नर्स की जानकारी में नही है। परिसर में साफ–सफाई एवं रंगाई –पुताई का अभाव पाया गया। डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। भर्ती प्रसूता महिलाओं को भोजन दिया जा रहा था। रजिस्टर में दिये गये भोजन का विवरण लिखने का निर्देश दिया गया था। रोगियों के बैठने हेतु कुर्सियों की व्यवस्था प्रतीक्षालय में किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	कमियों को दूर कराने का कार्य प्रगति पर था।
आर.बी.एस.के.–	आर.बी.एस.के. टीम के पास आर.बी.एस.के कार्ड, लैपटॉप, संबंधित उपकरण नहीं है और न ही दवा है। टीम की ड्यूटी आर.बी.एस.के. के अलावा अन्य कार्यकम में लगाये जाने के कारण लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि कम है।
नियमित टीकाकरण–	कोल्डचेन उपकरणों के लिए स्टेपलाइजर उपलब्ध नहीं थे। थर्मामीटर उपलब्ध नहीं था।
परिवार नियोजन	प्रथम तल पर आपरेशन थियेटर पूर्ण रुप से क्रियाशील नहीं थै। एलबो टैप उपलब्ध नहीं था। परिवार नियोजन रजिस्टर निर्धारित प्रारुप पर उपलब्ध नहीं था। आई0यू0सी0डी0 कियास्क पूर्ण रुप से ब्यवस्थित नहीं था। मात्र एक आई0यू0सी0डी0 सेट उपलब्ध था।एलबो टैप उपलब्ध नहीं था। नसबन्दी लाभार्थियों का मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट नहीं भरा

गया। उपकेन्द्र पर गन्दगी पाई गई जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 चायल को निर्देशित किया गया। डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। पानी हेतु हैण्डपम्प लगा हुआ था जो कि खराब पाया गया। उपकेन्द्र पर तौलिये, प्रसव टेबल, बेड की आवश्यक्ता है। उपकेन्द्र की ए0एन0एम0 को किसी भी ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति का सदस्य नही बनाया गया है। अतः ग्राम पंचायत का सहयोग उपकेन्द्र को प्राप्त नही होता है।	
नर्स मेण्टर, चायल को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह में स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर प्रसव कक्ष एवं अन्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुधारने हेतु प्रयास सुनिश्चित किया जाये।	कार्य प्रगति पर है।
नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– करारी, मंझनपुर।	
केन्द्र पर ए0एन0एम0 पूनम भारती तैनात है। अब तक कुल 890 प्रसव हुये है। टाउन एरिया में आशा की नियुक्ति नही है। ऑगनवाडी से सहयोग न मिलने की बात ए0एन0एम0 द्वारा कही गई।दवाओं को बन्द कमरे में रक्खा गया है जहॉ सीलन बनी हुई है। वेंटिलेशन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। शौचालय की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय पाई गई। शौचालय चोक पाया गया। इकाई पर बिजली का काम किये जाने की आवश्यक्ता है। केन्द्र के पीछे सुअर विचरित करते हुए पाये गये। गंदगी/कीचड़ पर्याप्त मात्रा में भरा हुआ था। बदबू चारो तरफ से आ रही थी। सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया। पुराना सामान/फर्नीचर पाया गया जिसे निस्तारित किये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 मंझनपुर को निर्देशित किया गया। डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नर्स मेण्टर–टी0एस0यू0 के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था। प्रसव कक्ष में अत्यधिक जंग लगी हुई प्रसव टेबुल को तुरन्त बदलने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिये गये। उपकेन्द्र पर तौलिये, प्रसव टेबल, बेड की आवश्यक्ता है। युनानी चिकित्सक डा0 इरशाद अहमद आयुर्वेदिक दवा वितरित करते हुए पाये गये। इकाई एल–2 है लेकिन सुविधायें एल–1 की दी जा रही है।	प्रसव कक्ष में 5 ट्रे नहीं था। संबंधित दवा की अनुलब्धता थी। प्रसव टेबल पर मेट्रस उपलब्ध नहीं था। डिलेवरी किट नही थी। कार्ड काटने के लिए सेविंग ब्लेड का उपयोग किया जा रहा था। स्टोर रुम में निस्क्रीय रुम लिखा था खोलवाकर देखने पर पता चला कि उसमें ढेर सारी दवायें एवं पुराने रजिस्टर रखे गये है। कमरो पर नेमप्लेट के अनुसार व्यवस्था नहीं थी।
उपकेन्द्र– गुवरा, मंझनपुर।	
उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 मीना देवी तैनात है। ए0एन0एम0 निवास बनाकर रहती है। केन्द्र पर बिजली का कनेक्शन नही दिया गया हैं। उपकेन्द्र के भीतर प्राचीन काल की तेल की डिबरी पाई गई जो रात्रि में प्रसव हेतु उपयोग में लाई जाती है। हैण्डपम्प सडक के किनारे लगा हुआ हैं। शौचालय पानी के अभाव में अत्यधिक गन्दे पाये गये। अब तक कुल 126 प्रसव हुये है। बायोमेडिकल वेस्ट हेतु गढढा नही बना हुआ था। उपकेन्द्र में रिपेयरिंग की आवश्यक्ता है। रंगाई पुताई हेतु निर्देशित किया गया। डिजीटल घडी लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उपकेन्द्र पर नर्स मेण्टर के अवकाश पर रहने के कारण प्रसव कक्ष मानकानुसार तैयार नही था। उपकेन्द्र पर अलमारी, कुर्सी, मेज, बेड आदि दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।	कार्य प्रगति पर है।
अन्य बिन्दु नियमित टीकाकरण–	जनपदीं वैक्सीन स्टोर एम.सी.एच. विंग में स्थापित किया गया है जिसमें पावर बैकअप की सुविधा उपलब्ध नहीं है। सुझाव

	दिया गया यहॉ से हटाकर सी.एम.ओ. कार्यालय में स्थापित कर जनसेटर एवं बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित किया जायें। जनपद में कुल 17 आई.एल.आर. उपलब्ध है जिसके सापेक्ष 10 क्रियाशील है एवं 7 क्रियाशील है। जनपद में कुल 20 स्टेबलाइजर क्रियाशील है जो उपकरणों के सापेक्ष है। कोल्डचेन प्वाइंट पर एक्जास्ट फैन, कंडिशनिंग टेबल, डाई स्पेस, इमरजेन्सी प्लान उपलब्ध नहीं था। मूरतगंज ब्लाक में लम्टी, पटेरिया बदबदुआ गॉव में वी.एच.एन.डी. एवं आई.एम.आई. सत्रों में प्लान नहीं किये गये थे।

दिनॉक 12 अक्टूबर 2017 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कौशाम्बी की अध्यक्षता में भ्रमण उपरान्त फीडबैक बैठक की गई जिसमें जनपद के समस्त जनपदीय/ब्लाक अधिकारियों/प्रबंधकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में प्रत्येक टीम द्वारा फीडबैक दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा फीडबैक सुनने के बाद जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

14.10.17

(परमहंस कुशवाहा)
कार्यक्रम समन्वयक,
आर.बी.एस.के.

(अरविंद उपाध्याय)
तकनीकि परामर्शदाता,
परिवार नियोजन

14/10/17

(कौशल सिंह बिष्ट)
डिव0 पी0एम0,
(एम0एण्डई0)

14/10/17

(डा0 विकास सिंघल)
महाप्रबंधक
आर.आई.